महत्वपूर्ण एवं खास

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोरबा (आरएनएस)। बालको थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है। जानकारी के मुताबिकए बालको निवासी 22 वर्षीय मंजू विश्वकर्मा ने घर पर पाइप के एंगल से फांसी लगाकर जान दे दी। 2 महीने पहले ही सक्ती जिले के सरहद निवासी सोनी विश्कर्मा 25 वर्षीय से मंजू की शादी हुई थी। शादी के बाद से ही मृतिका का पति चरित्र पर शंका करता था। नवविवाहिता की मौत से पहले पति ने वीडियो कॉल पर उससे बातचीत भी की थी। मामले में मृतिका के परिजनों ने दामाद पर मारपीट और गाली गलौज का आरोप लगाया है। फिलहाल बालको पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

करंट लगने से ढाई साल के मासूम की मौत

गरियाबंद (आरएनएस)। फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम बारूला में एक दुखद घटना में एक ढाई वर्षीय मासूम की करंट लगने से मौत हो गई। बच्चे की मौत की सूचना मिलने के बाद से ही गांव में मातम पसर गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तेज आंधी-तूफान के चलते बिजली खंभे से एक तार टूटकर मृत बच्चे के घर के पास गिर गया था। इसके चलते आसपास में करंट फैल गया था। मासूम अपने घर से खेलने के लिए निकला था, इसी दौरान वह खेलते-खेलते तार के निकट पहुंच गया। बारिश के कारण आसपास के गड्डे में पानी भरा हुआ था और करंट फैला हुआ था। बच्चा इसी के निकट पहुंचा और करंट लगने से उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बच्चे को तत्काल चिकित्सक के पास पहुंचाया जहां जांच उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस हादसे के बाद से ही पूरे गांव में मातम पसर गया है।

लाखों का गांजा पकड़ने में पुलिस को मिली सफलता

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक में छिपा कर रखे गए गांजे की खेप को पकड़ा है। जब्त गांजे की कीमत लाखों में आंकी जा रही है। सूत्रों के अनुसार उक्त गांजे की खेप को 17 बोरियों में छिपाकर रखा गया था, गांजे का वजन करीब 525 किलो बताया जा रहा है। सूत्रों की माने तो पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ट्रक में भारी मात्रा में गांजा तस्करी किया जा रहा है। पुलिस ने सूचना को पुख्ता करने के बाद पुलिस ने संदिग्ध ट्रक को रूकवाकर जांच-पड़ताल किया तो इसमें 17 बोरिया में छिपाया गया करीब 525 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। इसकी कीमत बाजार में लाखों रूपए आंका जा रहा है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आम स्थान पर शराब पी रहे दो लोगों पर कार्यवाई

कोरबा (आरएनएस)। चैतमा पुलिस चौकी क्षेत्रांतर्गत ग्राम ईरफ निवासी दो अधेड़ दोस्तों को चौक-तिराहे में शराब पीने का शौक कल शाम को महंगा पड़ गया। क्योंकि इन्हें रंगे हाथ पकडक़र पुलिस ने इनका परीक्षण करवाने के साथ ही इनके विरूद्ध 36च आबकारी अधिनियम का प्रकरण तैयार कर आज उसे विचारण के लिए पाली न्यायालय पेश कर दिया। पंचराम कंवर उम्र 53 निवासी ग्राम ईरफ अटल चौक में तथा उसका दोस्त सुरेंद्र प्रताप कंवर उम्र 53 पिता रायसिंह कंवर निवासी ग्राम ईरफ गोपालपुर तिराहे के पास अपना गमछा बिछाकर सार्वजनिक रूप से मदिरा का प्रदर्शन करते हुए सार्वजनिक स्थल पर कल शाम 6 बजे के लगभग उसका सेवन कर रहे थे। ये दोनों आने.जाने वालों को अपने शौक के बारे में शान के साथ बताते हुए अपनी शेखी बघार रहे थे। इसी बीच चैतमा चौकी प्रभारी सुरेश जोगी अपने हमराह प्रधान आरक्षक प्रकाश रजक के साथ उधर से पेट्रोलिंग करते आ रहे थे। चौकी प्रभारी एवं प्रधान आरक्षक की नजर दोनों थोड़े दूर पर आसन जमाकर मदिरा का शौक फरमाते देखा तो दोनों को रंगे हाथ पकडक़र उपरोक्त अधिनियम के तहत कार्रवाई कर दी।

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण के नए आयाम

रायपुर (आरएनएस)। महिलाओं को सशक्त बनाना है तो स्वास्थ्य-शिक्षा के साथ-साथ उन्हें अधिकार और आगे बढऩे के सुरक्षित अवसर देने होंगे। उन्हें आर्थिक रूप से संपन्न बनाने के लिए नये रास्ते बनाना भी जरूरी है। इसी सोच के साथ छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाने के साथ उनके स्वावलंबन की नीति अपनाई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर महिलाओं की रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने के साथ उनकी सृजन क्षमता को स्थानीय संसाधनों के साथ जोड़ा गया है। महिलाओं की व्यक्तिगत, सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़ा यह दृष्टिकोण उनके लिए विकास के नये आयाम खोलता है। नीति आयोग द्वारा जारी वर्ष 2020-21 की इंडिया इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार लैंगिक समानता में छत्तीसगढ़ पहले स्थान पर है। कुपोषण और एनीमिया से लड़ाई में भी छत्तीसगढ़ को बड़ी सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ में

2 अक्टूबर 2019 से शुरू हुए मुख्यमंत्री सुपाषण अभियान से अब तक 2 लाख 65 हजार बच्चे कुपोषण मुक्त तथा एक लाख 50 लाख महिलाएं एनीमिया मुक्त हो चुकी हैं। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बच्चों, किशोरों, गर्भवती तथा शिशुवती महिलाओं को आईएफए (आयरन फोलिक एसिड) सप्लीमेंटेशन उपलब्ध कराने में छत्तीसगढ़ देश में तीसरे स्थान पर है। बिहान से जुड़ी है ढाई लाख महिला समूह - छत्तीसगढ़ में महिलाओं की प्रगति के लिए अपनाई गई नीतियों और उनके संरक्षण का ही परिणाम है, कि यहां वनोपज के कारोबार से 50 हजार से अधिक महिलाएं जुडक़र छत्तीसगढ़ की आर्थिक उन्नति में अपना योगदान दे रहीं हैं, वहीं जिला खनिज न्यास निधि बोर्ड में ग्रामीण महिलाएं, ग्राम सभा सदस्यों के रूप में खुद के लिए नीतियां भी तैयार कर रही हैं। प्रदेश में करीब 300 रूरल इंडस्ट्रियल पार्क शुरू किए जा चुके हैं, जहां महिलाओं को अच्छा रोजगार और अच्छी आय मिल रही है। महिलाओं को बैंकिंग प्रक्रिया से जोडऩे लगभग चार हजार बहनें बीसी सखी के रूप में चलते-फिरते बैंक के रूप में बैंकिंग सुविधाएं दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचा रही हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से करीब 27 लाख गरीब परिवारों की महिलाएं 02 लाख 54 हजार स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हैं। महिलाओं के श्रम से चमका डेनेक्स - बस्तर के घने जंगलों में नक्सलियों से साहस के साथ मोर्चा ले रहीं बस्तर की दंतेश्वरी फाइटर्स अपने पूरे देश के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। गोधन न्याय योजना के तहत गांव-गांव में बनाए गए गौठानों में लगभग 45 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है। ये महिलाएं गौठानों में आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से न सिर्फ सशक्त बन रही हैं, बल्कि अपने परिवारों के लिए भी संबल बन गई हैं। गोठानों बनाए जा रहे रूरल इंडस्ट्रियल पार्क और सी-मार्ट स्टोर जैसी नई अवधारणा से महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा हैं। महिलाओं द्वारा तैयार सामाग्री को बाजार मिल रहा हैं। बस्तर के आदिवासी जिले दंतेवाड़ा की डेनेक्स गारमेंट फैक्टरी में काम कर रही महिलाओं ने देश-विदेश में डेनेक्स ब्रांड को लोकप्रिय बनाकर आर्थिक सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश की है। बीजापुर की महिलाओं का महुआ लड्डू, कोंडागांव का तिखुर शेक, सुकमा की ईमली-कैंडी और नारायणपुर का फूल झाड़ू भी प्रसिद्ध हो चुका है। महिला कोष का बजट 25 करोड़- महिला कोष से ऋण लेकर आर्थिक गतिविधि जुड़ी महिला समूहों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से समूह द्वारा लिए गए पुराने 12 करोड़ रूपये के ऋण माफ कर दिये हैं। साथ ही ऋण लेने की सीमा को भी दो से चार गुना तक बढ़ा दिया है। महिला कोष द्वारा दिए जाने वाले ऋण सीमा में भी दोगुनी वृद्धि की गई है। महिला कोष के बजट में ऐतिहासिक वृद्धि की गई है। पूर्व वर्षों में महिला कोष को एक या दो करोड़ वार्षिक आबंटन उपलब्ध होता था मगर वर्ष 2023-24 में 25 करोड़ रूपए का वार्षिक बजट उपलब्ध कराया गया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में छत्तीसगढ़ महिला कोष के द्वारा 10 हजार 500 से अधिक महिलाओं के लिए पिछले 5 सालों में सर्वाधिक 10 करोड़ 70 लाख रुपए से अधिक ऋण राशि स्वीकृत की गई है। नई कौशल्या समृद्धि योजना शुरू करने की योजना है, इसमें महिलाओं को व्यवसाय के लिए आसान शर्तों पर 3 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण दिया जाएगा। इसके लिए 25 करोड़ रूपए का बजट अतिरिक्त रूप से स्वीकृत किया है। महिला उद्यमिता नीति - महिलाएं जितनी सशक्त होंगी, राज्य का विकास उतनी ही तेजी से होगा, इसे देखते हुए छत्तीसगढ़ में महिलाओं की क्षमता को एक नई ऊंचाई देने के लिए महिला उद्यमिता नीति 2023-28 लागू कर दी गई है।

पंजाब में योगासन खेल में राष्ट्रीय निर्णायक प्रशिक्षण के लिए जिले से हुआ चयन

रायपुर (आरएनएस)। राष्ट्रीय योगासन स्पोटर्स फेडरेशन व वल्र्ड योगासन स्पोटर्स फेडरेशन के तत्वाधान में (साई एनएस एनआईएस) भारतीय खेल प्राधिकरण नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला, पंजाब में तीन दिवसीय 28 से 30 अप्रेल तक तृतीय राष्ट्रीय योगासन निर्णायक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. जयदीप आर्य, महासचिव (एनवाईएसएफ) की अध्यक्षता व मार्गदर्शन में भारत के विभिन्न प्रदेशों से पहुंचे लगभग 100 निर्णायकों ने योगासन खेल में निर्णायक की मुख्य भूमिका का राष्ट्रीय प्रशिक्षण साई एनएस एनआईएस, पटियाला में प्राप्त किया गया। इस राष्ट्रीय योगासन निर्णायक प्रशिक्षण में राजनांदगांव जिले के अंतर्राष्ट्रीय योगासन खिलाड़ी/रेफरी डोमेन्द्र

कुमार देवांगन का चयन तथा अन्य जिले से ईश्वरी धीवर, मोहित साहू, सत्यनारायण दुर्गा, ओमप्रकाश चन्द्रवंशी का चयन छत्तीसगढ़ योगासन स्पोटर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा किया गया था। जिन्होंने इस तीन दिवसीय थ्योरी एवं प्रेक्टिकल सत्र के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम में राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिताओं में उपयोग होने वाले सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण, योगासन खेल के विभिन्न नियमावली, योगासन के विभिन्न इवेंट, आसनों के मुख्य आवश्यक बिन्दुओं इत्यादि का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कर्नल राज सिंह विश्नोई, वरिष्ठ कार्यकारी निर्देशक (एनएस एनआईएस), विशिष्ट अतिथि डॉ. राजवीर सिंह, उप निर्देशक (एनआईएस) एवं डॉ. कल्पना शर्मा निर्देशक एकेडमी (एनआईएस), अतिथि के रूप में डॉ. महेंद्र सिंह प्रधानाचार्य, शास. योग कॉलेज चंडीगढ़ कार्यक्रम में संयोजक के रूप में डॉ. चन्द्रकांत मिश्रा (वरिष्ठ कोच एनआईएस) द्वारा विशेष पूर्ण रूप से सहयोग प्रदाय किया गया। जिसका परिणाम एक सफल ऐतिहासिक कार्यक्रम के रूप में मिला। प्रशिक्षण उपरांत परीक्षा हुई, जिसमें छत्तीसगढ़ के पांचो निर्णायकों ने सफलता हांसिल की, प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में डॉ. जयदीप आर्य, महासचिव (एनवाईएसएफ) द्वारा आशीर्वाद स्वरूव स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ योगासन स्पोटर्स एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारियों द्वारा चयनित राष्ट्रीय निर्णयकों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

गैस चूल्हे में आग फैलने से महिला जली 30 फीसदी

कोरबा (आरएनएस)। दर्री थानांतर्गत नीलगिरी नगोईखार बस्ती निवासी 50 वर्षीय महिला कल शाम खाना बनाने के लिए गैस चूल्हा माचिस से जला रही थी। अचानक आग फैलने से वह 30 फीसदी जल गई। जिसे उपचार के लिए देर रात जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार त्रिवेणी बाई बघेल उम्र 50 पति रामकुमार बघेल कल शाम 6 बजे के लगभग नगोईखार नीलगिरी बस्ती स्थित घर में अकेली थी। इस वजह से उसने मौसम के उतार-चढ़ाव के कुछ दिनों से हो रही परेशानियों को देखते

हुए शाम को जल्द ही खाना बनाने के लिए माचिस से गैस का चूल्हा जलाने लगी। अचानक आग फैल गई और वह 30 फीसदी के लगभग जल गई। उसके द्वारा चीखने-चिल्लाने पर पड़ोसी आए और उसके चूल्हे को बुझाने के साथ ही उसके शरीर में लगी आग को भी बुझाए। रात्रि में उक्त महिला को उपचार के लिए कोरबा जिला अस्पताल लाया गया। जहां उसका उपचार जारी है।

हसदेव नदी में नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मौत

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा जिले के उरमाल गांव के समीप से होकर बहने वाली हसदेव नदी में नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई। रिश्तेदार के घर विवाह कार्यक्रम में शामिल होने आए परिवार के भाई बहन बड़े पिताजी के साथ नदी में नहाने

गए थे, जहां दोनों डूब गए। काफी खोजबीन के बाद दोनों के शव सोन नदी से बरामद किए गए। रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने आए 3 वर्षीय रेयांश और 6 वर्षीय ज्योत्सना पटेल की मौत से उनके गांव देवर माल और कुदुरमल में शोक की लहर दौड़ गई है।

जानकारी के अनुसार उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत देवरमाल गांव में शादी का जश्न बच्चों की मौत से गम में तब्दील हो गया। गांव में रिश्तेदार के घर विवाह कार्यक्रम में परिवार आया हुआ था। बच्चों के बड़े पिता सनत पटेल सुबह नदी के घाट में नहाने पहुंचे तो वहां बच्चों के कपड़े मिले। जिसके बाद अनहोनी की आशंका पर खोजबीन से बच्चों के नदी में डूबने का खुलासा हुआ। जिसके बाद पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से मासूमों के शव को बरामद किया। इस घटना में देवारमाल के रहने वाले संतोष पटेल की पुत्री ज्योत्सना 6 वर्ष और पुत्र 3 वर्षीय रेयांश की मौत हो गई है। मामले में उरगा पुलिस वैधानिक कार्रवाई उपरांत जांच में जुट गई है।

राज्य स्तरीय म्युथाई बाक्सिंग प्रतियोगिता के लिए बस्तर से रायपुर के लिए रवाना हुई 52 सदस्यों की टीम

जगदलपुर (आरएनएस)। 23 वी राज्य स्तरीय म्युथाई बाक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर म्युथाई एवं छत्तीसगढ़ एमेच्योर म्युथाई संघ द्वारा 5 मई 2023 को गुजराती स्कूल देवेंद्र नगर रायपुर में आयोजित की गई है उक्त प्रतियोगिता के लिए बस्तर जिले से सब जूनियर, जूनियर,एवं सीनियर बालक बालिका की 52 सदस्यों की म्युथाई बाक्सिंग टीम कोच, अब्दुल मोइन, नवीन ठाकुर, महिला कोच, मकसूद हुसैन, सुमन राव मैनजर राजेन्द्र राजपूत के साथ रवाना हुए

क्रिलाडियो की सूची बालिका कु, सुरभि यादव, कु, शानिक मिश्रा, कु, गताक्षि श्रीवास, कु, सुरूति शर्मा, कु, अंकिता राजपूत, आरुषि कुजूर, कु, एम, अदिति, कु, माही ऊके,कु, सपना कश्यप, कु, रितिका साहा, कु, पुष्पांजलि, कु, तमना कश्यप, कु, खुशबू कश्यप, कु, वंशिका बंछोर, कु, सुप्रभा नाग, कु, गरिमा नाग, कु, तुमपल्ली अल्फी, कु, कामनी मंडावी, बालक अलेक्स कुमार, चोम्न कुमार पुनेम, नैतिक कमेटी, पुष्कर जैन, अनिरुद्ध दुबे, मनोज नरेटी, वेदांत श्रीवास, योगानंद सुभीरधु, मनसे मरकाम, मेहुल बिश्वास, ओम कुमार, भौमिक पराते, योगेश बिश्वास, युवराज सिंह, ऐश्वरीय यादव, शौर्यवर्धन जैन, धैर्य गुप्ता, जय कुमार यादव, थॉमस मरकाम, मो, मुसेफ गाजी, जतिन यादव, मनोनीत, कृष्णा नाग, अंकित घोष, जे सात्विकह, लिकेश बघेल, पंकज मौर्य, कल्पेश सोरी, देवांश कश्यप, रुद्रांश सोरी टीम में शामिल है सभी खिलाडिय़ों को जूडो संघ एवं म्युथाई संघ के पदाधिकारी अध्यक्ष देव,सन्तोष बफना, योगेंद्र पाण्डे, यशवर्धन राव, राणा घोष, कविता माता पिता व खेल प्रेमियों ने आशीर्वाद प्रदान कर टीम को रवाना किये।

भागवत लिखित कोटवार पुस्तक का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

रायपुर (आरएनएस)। आज आभार कार्यक्रम मे माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज कोटवार सम्मेलन मे कोटवार पुस्तक का विमोचन किया । यह पुस्तक कोटवार के जीवन से संबंधित ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित है।

यह राजस्व कार्यो के साथ साथ आम ग्राम्य जीवन के कहानियों का संग्रह हैं । इस पुस्तक को कोटवार संघ के अध्यक्ष प्रेम किशोर बाघ ने इस कोटवार आधारित रचना को मुख्यमंत्री को भेंट किया ,इस कार्यक्रम मे उपस्थित मंत्री गणो यथा राजस्व मंत्री, पंचायत मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री,नंद कुमार

साय, अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारीगणो ने इस रचना पर अपनी सकारात्मक अभिव्यक्ति दी । इस पुस्तक को मूल रूप मे भागवत जायसवाल (संयुक्त कलेक्टर) ने लिखा है। इस पुस्तक का उद्देश्य ग्राम्य जीवन मे कोटवार की भूमिका को इंगित करना है।

90 के दशक् पर आधारित छत्तीसगढ़ के एक गांव की कहानी लिखी गयी है,जिसमे कोटवार की गांव भूमिका है, एक निश्छल प्रेम है, युवा की संघर्ष है,अपराध है, जमीन विवाद है, भावनाप्रद किस्से है, साथ मे मनोरंजक व्यंग्य है, जो आपस मे गुथे हुए है... एक प्रशासनिक व्यक्तित्व द्वारा रचित ग्रामीण सामाजिक प्रशासनिक व्यवस्था पर आधारित जीवंत कहानी है।

ग्रामीण जीवन को सचित्र कर देने वाली कहानी,आपको यह डूबा ले जाएगी गांव की गलियों मे एक फिल्म की भांति अहसास और रोमांच दिलानी वाली कहानी है।

कोटवार को हम कैसे पहचानते है, इसके ड्रेस से पहचानते है, आपके लगभग हरेक गांव मे एक ड्रेस धारी, बिल्लस लगाए, सरकार का प्रतिनिधि होता है कोटवार

ये कभी जमींदारी प्रथा मे भी था, मालगुज़ारो ने अपनाया , ये गांव मे इनके नजदरार होते थे, अंग्रेजो ने तो इस पद को सुरक्षा पद बना दिया, गांव का एक लोकल पुलिस बना दिया, गांव मे कुछ भी समस्या हो, अपराध हो ,विवाद हो उसको सबसे पहले कोटवार निपटाता न निपटे तो सूचना तत्काल थाने तहसील तक पहुचाता।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी तकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुंचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

समर कैंप : खेल-खेल में आध्यात्मिकता के रंग में रंग रहे बच्चे

रायपुर (आरएनएस)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प के दूसरे दिन अन्र्तजगत की यात्रा विषय पर बोलते हुए ब्रह्माकुमारी रूचिका दीदी ने कहा कि यदि हम अपने जीवन में आगे बढऩा चाहते हैं तो यह जानना निहायत जरूरी है कि मैं कौन हूँ? उन्होंने बतलाया कि इस दुनिया में जितने भी जड़ पदार्थ हैं, वह स्वयं अपने ही उपयोग के लिए नही बने हैं। सभी जड़ पदार्थो का उपभोग करने वाला उससे भिन्न कोई चैतन्य प्राणी होता है। हमारा यह शरीर भी जड़ पदार्थो से बना पांच तत्वों का पुतला है तो जरूर इसका उपयोग करने वाला इससे भिन्न कोई चैतन्य शक्ति होनी चाहिए।

ब्रह्माकुमारी रूचिका दीदी ने आगे कहा कि जब हम कहते हैं कि मुझे शान्ति चाहिए? तो यह कौन है जो कहता है कि मुझे शान्ति चाहिए? शरीर शान्ति नही चाहता। आत्मा कहती है कि मुझे शान्ति चाहिए। उन्होने आगे कहा कि आत्मा एक चैतन्य शक्ति है। शक्ति को स्थूल नेत्रों से देखा नही जा सकता लेकिन मन और बुद्धि से उसका अनुभव किया जाता है। जैसे बिजली एक शक्ति है, वह दिखाई नही देती किन्तु बल्ब जल रहा है, पंखा चल रहा है, तो हम कहेंगे किबिजली है। इसी प्रकार आत्मा के गुणों का अनुभव करके उसकी उपस्थिति का अहसास होता है। आत्मा का स्वरूप अतिसूक्ष्म ज्योतिबिन्दु के समान है।

ब्रह्माकुमारी रूचिका दीदी ने आगे कहा कि आत्मा तीन शक्तियों के द्वारा अपना कार्य करती है। वह किसी भी कार्य को करने से पहले मन के द्वारा विचार करती है, फिर बुद्धि के द्वारा यह निर्णय करती है कि उसके लिए क्या उचित है और क्या अनुचित? तत्पश्चात किसी भी कार्य की बार-बार पुनरावृत्ति करने पर वह उस आत्मा का संस्कार बन जाता है। उन्होंने कहा कि हमारा मन किसी न किसी व्यक्ति, वस्तु या पदार्थ की स्मृति में भटकता रहता है, अब उसे इन सबसे निकालकर एक परमात्मा की याद में एकाग्र करना है। इसी से आत्मा में आत्मविश्वास और शक्ति आएगी।

स्वस्थ रहने के लिए रोजाना करें योग ...ज्योति गुप्ता, अन्तर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षिका

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्व शान्ति भवन चौबे कालोनी रायपुर में आयोजित समर कैम्प के दूसरे दिन अन्तर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षिका ज्योति गुप्ता एवं उनकी सहयोगी कु. काजल मानिकपुरी ने स्वस्थ रहने के लिए बच्चों को सुख आसन, ताड़ासन, वृक्षासन, नटराजासन, सूर्य नमस्कार, तितली आसन कुछ उपयोगी आसन सिखाए।

योग प्रशिक्षिका ज्योति गुप्ता ने बतलाया कि रोजाना वृक्षासन करने से परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने श्वांस पर नियंत्रण के साथ ही सही रीति से श्वांस लेना भी सिखाया। श्वांस छोडऩे पर पेट अन्दर और श्वांस लेने पर पेट बाहर निकलना चाहिए। बच्चों को प्रतिदिन समय निकालकर खाली पेट चार से पांच मिनट सूर्य तक नमस्कार जरूर करना चाहिए। यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को सूर्य नमस्कार के बारह आसन सिखाए।